प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – दसवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 21 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) अशोक का ''हृदय परिवर्तन'' उपन्यास है –

(अ) सामाजिक (ब) राजनैतिक

(स) ऐतिहासिक (द) इनमें से कोई नहीं

(2) जलधि और समुद्र शब्द है –

(अ) अनेकार्थी (ब) समानार्थी

(स) एकार्थी (द) विलोम

(3) कलेजा मुंह को आना का अर्थ है –

(अ) बहुत दुखी होना (ब) बहुत सुखी होना

(स) बहुत क्रोध करना (द) बहुत हंसना

(4) अनुशासन बनाया जा सकता है –

(अ) क्रोध से (ब) वीरता से

(स) मधुर मुस्कान से (द) भय से

(5) कोचीन का एक प्राचीन नाम है –

(अ) केरल (ब) गोपी नगर

(स) गोवा नगर (द) गो श्रीनगर

प्रश्न 2. उचित शब्दों का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. तुलसीदास जी के गुरू.....थे।

(वल्लभाचार्य / नरहरिदास)

2. ''साये में धूप'' दुष्यंत कुमार का.....संग्रह है।

(गजल / गीत)

3. हल चलाने वाले अपने.....का हवन किया करते है।

(श्रम / शरीर)

4. समास का अर्थ.....होता है।

(संक्षेप / तोड़ना)

5. दीर्घ जीवन का सूत्र.....में छिपा है।

(शास्त्र / हास्य)

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य का चयन कीजिए –

1. विभीषण ने रावण का साथ देकर भाई के प्रति अपना प्रेम दिखाया।
2. सांसारिक पूंजी जग में ही खो जाती है।
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी एक देहाती परिवार के थे।
4. दूसरे देशों ने भारत को शिक्षित किया है।

5. धन की पूजा करना नास्तिकता है।

प्रश्न 4. स्तभ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	**–**	**ख**
(1)	हाथी का पर्यायवाची	–	कर्मठ
(2)	अखण्ड ज्योति पत्रिका	–	संस्कृति
(3)	मजदूरी और प्रेम	–	श्री राम शर्मा आचार्य
(4)	जीवन के लिए परम आवश्यक	–	कुंजर
(5)	कर्म करने में तत्पर व्यक्ति	–	सरदार पूर्ण सिंह

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :–

1. स्वयं के बारे में लिखी जाने वाली रचना को क्या कहते है?
2. 'माटीवाली' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।
3. रचना की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार लिखिए।
4. परेश किस पद पर कार्य करता था?
5. शबरी ने राम को किस भाव से बेर खिलाएं थे?

प्रश्न 6. लेखक ने डल झील को कश्मीर की शान क्यों कहा है? कोई दो कारण लिखिए।

अथवा

पृथ्वी और नारी की दो समानतांए बताइऐं।

प्रश्न 7. मीरा के अनुसार ''राम रतन धन'' की कोई दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

वर्षा के आगमन पर धरती में होने वाले किन्हीं चार परिवर्तनों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. कर्मवीर मनुष्य के मार्ग में आने वाली कोई दो बाधाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

''वह देश कौन सा है'' कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य की कोई चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 9. ''इस नदी की धार में'' कविता में कवि को किन किन स्थानों पर दुख में भी आशा की किरण दिखाई देती है कोई दो स्थान बताइयें।

अथवा

''तुम वही दीपक बनोगे'' कविता के आधार पर युवाओं से कवि ने क्या अपेक्षा की है? कोई दो लिखिए।

प्रश्न 10. माटीवाली के चरित्र की कोई दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'समय नहीं मिला' पाठ में विदेशों में समय की बर्बादी किस प्रकार होती है कोई दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 11. प्रसन्न व्यक्ति की ओर लोग क्यों आकर्षित होते है कोई दो कारण बताइयें।

अथवा

''मेरी जीवन रेखा'' पाठ में द्विवेदी जी ने अपने लिए कौन–कौन से चार सिद्धांत निश्चित किये एवं उसके पालन में वे कहां तक सफल हुए?

प्रश्न 12. निबंध की एक सारगर्भित परिभाषा बताते हुए दो प्रमुख निबंधकारों एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

अथवा

'आत्मकथा' गद्य की प्रमुख विधा है अथवा गौण? स्पष्ट करते हुए आत्मकथा और जीवनी मे कोई तीन अंतर लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए।

1. जगन्नाथ
2. नमस्कार

(ब) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाइयें तथा समास का नाम लिखिए।

1. ईश्वर द्वारा दिया गया।
2. नौ रत्नों का समूह।

अथवा

(अ) यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. तुम तुरंत फल खाओं (निषेधात्मक वाक्य)
2. मैं जानता हूँ कि उसके पिता कौन है। (सरल वाक्य)

(ब) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए।

1. वहां काफी मात्रा में लोग थे।
2. प्रत्येक वृक्ष फल देते है।

प्रश्न 14. (अ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. मिट्टी में मिलाना
2. लोहा मानना

(ब) लोकोक्ति किसे कहते है? उदाहरण देकर समझाइये।

अथवा

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति सही वर्तनी चुनकर कीजिए।

1. माता–पिता के.....से ही हम सफल होते है।

(आर्शीवाद, आशीर्वाद)

2. हम सब.....है।

(भारतीय/भारतिय)

(ब) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए। कोई दो

1. पानी
2. अमृत
3. फूला
4. वस्त्र

प्रश्न 15. (अ) निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए। कोई दो।

1. कान
2. माप
3. कबूतर
4. आम

(ब) निम्नलिखित शब्दों के विरूद्धार्थी शब्द लिखिये। कोई दो।

1. आनंद।
2. आयात।
3. पुरातन।
4. घृणा।

प्रश्न 16. मजदूरी और प्रेम पाठ के आधार पर गडरिये के आनन्द के कारणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

''पृथ्वी पर अगर कहीं स्वर्ग है तो वह यही है'' इस कथन का आशय बिन्दुवार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

व्योम को छूते हुए दुर्गम पहाड़ों के शिखर।
वे घने जंगल जहां रहता है तम आठों पहर।।
गरजती जलराशि की उठती हुइ ऊंची लहर।
आग की भयदामिनी फैली दिशाओं में लचर।।
ये कंपा सकती कभी जिसके कलेजे को नहीं।
भूलकर भी वह नहीं नाकाम रहता है कहीं।।

अथवा

क्या अच्छा हे नाथ न लगता,
बेर आप को यह बन का।
चितिंत मत हो माता शबरी,
यह तो है जीवन तन का।
फिर क्यों नाथ अश्रु को लाऐ,
हंस कर कहते रघुराई,
तेरे बेरों के सुस्वादु से,
याद मुझे मां की आई।।

प्रश्न 18. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। वह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। यदि किसी युवा पुरूष की संगत यदि बुरी होती तो वह उसके पैर में बंधी चक्की के समान होगी। जो उसे दिन–दिन अवनति के गड्ढ़े में उतारती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बहू के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 3. कुसंग से क्या नष्ट होता है?

प्रश्न 19. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह,
नदियों के पानी का जादू है वह,
हाथों के स्पर्श की महिमा है,
चूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है,
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का।

प्रश्न 1. फसल पर किसका जादू चलता है?

प्रश्न 2. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 3. पद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 20. अपने छोटे भाई को दूरदर्शन लगातार देखने के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

स्थानांतरण प्रमाण पत्र हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 से 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. समाचार पत्र की उपयोगिता।
2. पर्यावरण।
3. अपना मध्यप्रदेश।
4. राष्ट्रीय पर्व।
5. विद्यार्थी और अनुशासन।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – दसवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. ऐतिहासिक।
2. समानार्थी।
3. बहुत दुखी होना।
4. मधुर मुस्कान से।
5. गो श्रीनगर।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. नरहरिदास।
2. गजल संग्रह।
3. शरीर।
4. संक्षेप।
5. हास्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन –

(1) असत्य।

(2) सत्य।

(3) सत्य।

(4) असत्य।

(5) सत्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सही जोडियां बनाना –

	क	**–**	**ख**
(1)	हाथी का पर्यायवाची	–	कुंजर
(2)	अखण्ड ज्योति पत्रिका	–	श्री राम शर्मा आचार्य
(3)	मजदूरी और प्रेम	–	सरदार पूर्ण सिंह
(4)	जीवन के लिए परम आवश्यक	–	संस्कृति
(5)	कर्म करने में तत्पर व्यक्ति	–	कर्मठ

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. आत्मकथा।
2. विद्यासागर नौटियाल।
3. तीन प्रकार (सरल वाक्य, मिश्रित वाक्य, संयुक्त वाक्य)।
4. नायब तहसीलदार।
5. वात्सल्य भाव से।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6.

1. इस झील के कारण कश्मीर का सौन्दर्य कहीं गुना बढ़ गया है।
2. इस झील में तैरते बाग उसके चारों ओर की पहाड़ियों, अनोखे मनमोहक दृस्य उपस्थित करती है।

3. इसकी सुन्दरता, रंगबिरंगी साज सज्जा से तैयार शिकारे पर्यटकों को आकर्षित करते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. पृथ्वी पर सभी अवतरित होते है इसी प्रकार नारी जन्मदामिनी होती है।
2. दोनों को माता का दर्जा दिया गया है।
3. दोनों ही क्षमाशील होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. राम रतन धन की विशेषताएं –

1. यह धन संसार के दुखों से मुक्ति दिलाने वाला है।
2. यह जन्मजन्मांतर की पूंजी है।
3. यह धन खर्च करने पर घटता नहीं है।
4. इसका उपयोग ईश्वर प्राप्ति के लिए किया जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वर्षा के आगमन से होने वाले परिवर्तन मुरझाई धरती खिल कर हरी भरी हो जाती है। मधुवन महक उठते है। झूलों पर सावन के गीत गाये जाने लगते है। पेड़ों पर नये पत्ते आ जाते है। बाग धने होने लगते है। चारों ओर सुख आनन्द का वातावरण बन जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कर्मवीर मनुष्य के मार्ग में ऊंचे–ऊंचे पर्वत, घने वन, सागर की गरजती लहरें, आग की चारों दिशाओं से उठती लपटें आदि बाधाएं आती है, जो उन्हें उनके

कर्मपथ से गिडा नहीं पाती। काम में कठिनाई और विघ्न बाधाओं का वे उठकर मुकाबला करते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य की विशेषताएं –

1. भारत की स्थिति मन को मोहित करने वाली एवं प्राकृतिक शोभा दर्शनीय है।
2. इसके उत्तर में हिमालय एवं दक्षिण में हिन्दमहासागर है।
3. यहां की विभिन्न नदियां अपने अमृतरूपी जल से लोगों की प्यास बुझाती है।
4. खेती हेतु जल देकर भारत वर्ष की धरती को हराभरा बनाती है।
5. यहां की धरा में अनेक प्रकार के खनिज पदार्थ विद्यमान है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. कवि को शांति देने वाली नदी की ढंड़ी हवा में, लहरों से टकराने का साहस रखने वाली जर्जर नाव में, तेल से भीगी बत्ती वाले दीपक के लिए चिन्गारी लाने में अंधेरे के बाद प्रातःकाल के उजाले में और दुखों के कारण मिली सहन शक्ति में आशा की किरण दिखाई देती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समाज के चारों ओर ईर्ष्या, द्वेष, अविश्वास, का अंधकार फैला हुआ है। भावनात्मक संबंधों में कभी आ रही है। इस समाज को सुधारने के लिए युवा वर्ग अपनी अमृतमयी मनुहार के द्वारा लोगों में मधुरता और प्रेम का संचार कर सकते है। समाज में फैली कटुता विषैले प्रभाव को समाप्त कर सकते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. माटी वाली के चरित्र की विशेषतएं –

1. **कर्तव्य परायण –** माटी वाली प्रत्येक दिन मिट्टी लेकर टिहरी शहर जाकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह ईमानदारी से करती थी।
2. **साहसी –** वह अत्यंत साहसी थी। विषम परिस्थितियों का सामना पूरी ईमानदारी से हिम्मत से करती थी।
3. **समाज सेवी –** समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सदैव तत्पर रहती थी।
4. **संतोषी –** मिट्टी के बदले जो भी मिल जाता था उसी में संतुष्ट रहती थी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विदेशों में समय की बर्बादी खूब दिल खोलकर की जाती है। वहां के सिनेमा थियेटर में टिकट लेने के लिए लम्बी–लम्बी कतारों में लोग दो–दो, तीन–तीन घंटे लगातार खड़े रहते है। अपनी कमजोरी और अनियमिताओं को छिपाने के लिए समय न मिलने का बहाना करते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. प्रसन्न व्यक्ति की ओर देखकर लोग प्रसन्न होते है। उसकी ओर आकर्षित वृत्ति है। वह एक दैवीक चेतना है। इसका आश्रय गृहण करने वाले के सारे कष्ट दूर हो जाते है। प्रमुदित मन और प्रसन्न चित्त मनुष्य के पास बैठकर लोग अपना दुखदर्द भूल जाते हैं, सुख और संतोष का अनुभव करते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

द्विवेदी जी ने अपने लिए निम्नलिखित चार सिद्धांत निश्चित किए।

1. वक्त की पाबंदी।

2. रिश्वत न लेना।

3. अपना काम इमानदारी से करना।

4. ज्ञान वृद्धि के लिए सतत् प्रयास रत रहना।

पहले तीन सिद्धांतों के अनुकूल आचरण करना सहज था पर चौथे के अनुकूल सचेत रहना कठिन था फिर भी सतत् अभ्यास से उन्हें सफलता प्राप्त होती गई।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. निबंध की परिभाषा बाबू गुलाबराय के अनुसार – निबंध इस गद्य रचना को कहते है, जिसमें सीमित आकार के भीतर किसी विषय का प्रतिपादन एक विशेष निजीवन, स्वच्छंदता, सौष्ठव, सजीवता और सम्बद्धता के साथ किया गया हो।

निबंधकार	**रचना**
1. रामचन्द्र शुक्ल	क्रोध
2. प्रतापनारायण मिश्र	परीक्षा
3. बालकृष्ण भट्ट	चन्द्रोदय
4. श्रीलाल शुक्ल	राग दरबारी

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आत्म कथा गद्य की गौण विद्या है।

आत्मकथा जीवनी में अंतर

क्र.	आत्मकथा	जीवनी
1	आत्म कथा लेखक के द्वारा स्वयं लिखी जाती है।	जीवनी किसी अन्य लेखक द्वारा लिखी जाती है।
2	आत्म कथा में व्यक्तिगत अनुभव	इसमें चरित्र चित्रण किया जाता

	होते है।	है।
3	इसमें आत्मनिरीक्षण कर स्वयं के गुण दोषों की विवेचना की जाती है।	इसमें केवल गुणों पर ही प्रकाश डाला जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) संधि विच्छेद

1. जगन्नाथ = जगत्+नाथ (व्यंजन संधि)
2. नमस्कार = नमः+कार (विसर्ग संधि)

(ब) समास

1. ईश्वरप्रदत्त – तत्पुरूष समास
2. नवरत्न – द्विगु समास

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ)

1. तुम तुरंत फल मत खाओं।
2. मैं उसके पिता को जानता हूँ।

(ब)

1. वहां काफी लोग थे।
2. प्रत्येक वृक्ष फल देता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 14. (अ) मुहावरें –

1. मिट्टी में मिलाना – बर्बाद करना।

प्रयोग– चोरी करते रंगे हाथ पकड़े जाकर विनोद ने अपने पिता की इज्जद मिट्टी में मिला दी।

2. लोहा मनाना – श्रेष्ठता स्वीकार करना।

प्रयोग– विद्वुषी राधा के तर्क सुनकर सभी ने उसकी तर्क शक्ति का लोहा मान लिया।

(ब) साहित्य में प्रचलित वह वाक्यांश जो स्वयं में एक पूर्ण वाक्य होता है, लोकिक्ति कहलाता है।

उदाहरण– धोबी का कुत्ता घर का न घाट का।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ) रिक्त स्थान –

1. आशीर्वाद
2. भारतीय।

(ब)

1. पानी – जल, वारि, नीर
2. फूल – पुष्प, कुसुम, सुमन
3. अमृत – सोन, अमिय, पीयूष
4. वस्त्र – कपड़ा पटा, वसन

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 15. (अ) तत्सम रूप

1. कान – कर्ण
2. भाप – वाष्प
3. कबूतर – कपोत
4. आम – आम्र

(ब) विरूद्धार्थी शब्द –

1. आनंद – शोक
2. आयात – निर्यात
3. पुरातन – नूतन
4. घृणा – प्रेम

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 16. गड़रिया आनन्द का अनुभव तब करता है जब बीमर भेड़ अच्छी हो जाती है। उसके घर खुशियां आती है। सारा परिवार मिलकर गाने लगता है। इतने में नीले आकाश में बादल घिर आते है और झम–झम बरसने लगते है। मानों प्रकृति भी आनन्दित हो उठी है। बूढ़ा गड़रिया आनन्द मन होकर नाचने लगता है। पिता को ऐसा सुखी देख दोनों कन्याएं भी एक दूसरे का हाथ पकड़कर पहाड़ी राग अलापने लगती है। ब्रम्हानंद का समा सा बंध जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कश्मीर प्राकृतिक शोभा की अनुपम स्थली है। यहां की प्राकृतिक शोभा को देखकर प्रत्येक व्यक्ति का मन प्रफुल्लित हो उठता है। यहां बर्फ से ढंकी ऊंची–ऊंची पर्वतीय चोटियां, महकते बाग, फूलों से लदी क्यारियों, हरे भरे मैदान, आसमान को छूते विशाल वृक्ष सभी को अपनी ओर आकर्षित करते है। यहां पर स्वर्ग जैसा आनन्द मिलता है। इसलिए कहा जाता है कि पृथ्वी पर यदि कहीं स्वर्ग है तो वह यहीं है।

उत्तर 17. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– यह पद्यांश पाठ्य पुस्तक बासंती के पाठ कर्मवीर से लिया गया है इसके रचयिता अयोध्या सिंह उपाध्याय जी है।

प्रसंग :– कवि ने कर्मवीर की हिम्मत का वर्णन किया है।

व्याख्या :– कवि कर्मवीर की विशेषता बताते हुए कहते है कि इनके सामने आकाश को छूती पर्वत चोटियां हो, चाहे घने जंगलों में से गुजरना पड़े, ऐसे जंगल जिनमें दिन में भी रात्रि दिखाई पड़े। अर्थात सूर्य का प्रकाश भी प्रवेश न कर सके, दहाड़ते हुए समुद्रों की ऊंची–ऊंची लहरे हो, चारों तरफ से दहकती हुई भाग की लपटों से घिरे हो, इनमें में कोई भी कर्मवीर को भयभीत नहीं कर सकता। ये कभी भी नाकाम नहीं होते।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–3 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– डॉ. प्रेम भारती।

प्रसंगः– पद्यांश में शबरी और राम के वार्तालाप का वर्णन है।

व्याख्याः– श्रीराम की आंखों में अश्रु देखकर शबरी दुखी होती हुई संकोच से पूछती है कि हे नाथ! यह वन का बेर आपको अच्छा नहीं लगता है? इसे सुनकर श्रीराम शबरी को सांत्वना देते हुए कहते है हे माता चिन्ता मत करो। यह फल तो शरीर को जीवन देता है। इसे सुनकर शबरी बोल उठी फिर आपकी आंखों में अश्रु कैसे। हंसते हुए राम कहते है कि तुम्हारे बेर इतने मीठे और रसीले थे कि उनके खाने से मुझे माता कौशल्या की याद आ गई। इसलिए आंख से आंसु झलक पड़े।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–3 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. कुसंगति से नीति, सदृवृत्ति और बुद्धि विनस्ट हो जाती है जबकि सुसंगति से निरंतर उन्नति और सुख की प्राप्ति होती है।

उत्तर 2. कुसंग और सुसंग के प्रभाव।

उत्तर 3. कुसंग से बुद्धि का नाश होता है।

5 अंक

उत्तर 19. अपठित गद्यांश के उत्तर :–

उत्तर 1. नदियों के पानी का जादू।

उत्तर 2. शीर्षक फसल अथवा अन्य कोई सार्थक शीर्षक भी हो सकता है।

उत्तर 3. फसल एक प्रकार से सूरज की किरणों का रूपांतरण है, जो पृथ्वी की काली मिट्टी का गुणधर्म है।

5 अंक

उत्तर 20.

पत्र

प्रिय मोहन,

शुभाशीष

शिवाजी नगर

मुझे तुम्हारे मित्रों से ज्ञात हुआ है कि तुम शहर जाकर दूरदर्शन देखने के आदी हो गये हो। यद्यपि दूरदर्शन आज के समय में देश दुनिया के बारे में जानने का एक महत्वपूर्ण साधन है। परंतु दूरदर्शन के सामने अधिक समय तक बैठना ठीक नहीं है। फिर दूरदर्शन तो दूर से देखने के लिए होता है इसको अधिक देखने पर तुम्हारी आंखे दूषित हो सकती है।

फिर मेरे भाई यह मत भूलो कि तुम्हारा मुख्य उद्देश्य शिक्षार्जन करना है। अतः अच्छे मित्रों की संगति में रहकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो। अपने मासिक परीक्षा परिणाम से अवगत कराना। आशा है कि इस सीख पर ध्यान दोगे।

तुम्हारा भाई

सोहन

5 अंक

अथवा

सेवा में,

प्राचार्य महोदय,

चौइथराम फाउण्टेन हा.से. स्कूल,

श्रीराम तलावली धार रोड़, इन्दौर

विषय :– स्थानांतरण प्रमाण पत्र हेतु आवेदन।

मान्यवर,

विनम्र निवेदन है कि मेरे पिता जी का स्थानांतरण भोपाल हो गया है। इसलिए मैं अब इन्दौर के स्थान पर भोपाल में अध्ययन करूंगा।

अतः निवेदन है कि मुझे शाला त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने का कष्ट करें।

आपकी आज्ञाकारी शिष्य

मुकेश यादव

कक्षा–X

5 अंक

उत्तर 21. **निबंध लेखन –**

<u>अपना मध्यप्रदेश</u>

1. प्रस्तावना
2. जनजातियां
3. भाषा एवं बोलियां
4. त्यौहार एवं उत्सव
5. दर्शनीय स्थल
6. विकास स्तम्भ
7. उपसंहार।

प्रस्तावना :– हमारा मध्यप्रदेश भारत के केन्द्र में स्थित देश का हृदय स्थल है। हमारे प्रदेश की स्थापना 1 नवम्बर 1956 को हुई। भौगोलिक दृष्टि से यह प्रदेश महत्वपूर्ण स्थान पर है। जिसके लगभग 49 प्रतिशत भाग पर कृषि होती है। यह उत्तर में उत्तर प्रदेश पूर्व में छत्तीसगढ़ पश्चिम में राजस्थान और गुजरात एवं दक्षिण में महाराष्ट्र से घिरा है।

जनजातियां :– मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से गौंड, भील, कोरकू, बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियां पायी जाती है। इनकी आजीविका का प्रमुख साधन वनों और जंगलों से प्राप्त वनोपज है। मध्यप्रदेश में मुख्य रूप से इन्हीं जनजातियों का निवास है।

भाषा एवं बोलियां :– मध्यप्रदेश में विभिन्न प्रकार की भाषाएं एवं बोलियां प्रचलित है। यहां पर प्रमुख रूप से निमाड़ी, मालवी, बुन्देली, बघेली एवं खड़ी बोली आदि बोलियां बोली जाती है।

त्यौहारा और उत्सव :– मध्यप्रदेश में प्रत्येक जाति और धर्म के त्यौहार और उत्सव मनाये जाते है। हिन्दुओं के त्यौहारों में प्रमुख रूप से दीपावली, होली, मुसलमानों में ईद, सिक्खों में गुरूपर्व और इसाइयों में क्रिसमस–डे तथा आदिवासियों में भगोरिया हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। खुराहों, भोजपुर एवं उज्जैन पचमढ़ी में शिवरात्रि का, ग्वालियर में तानसेन संगीत समारोह का उत्सव प्रमुख रूप से मनाया जाता है। जिससे मन में आस्था और विश्वास का संचार होता है। सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, तानसेन, कालिदास, इकबाल खां, लता मंगेशकर, मैथिलीशरण गुप्त आदि ने मध्यप्रदेश के साहित्य में अपनी अमिट छाप ही नहीं छोड़ी बल्कि इन्हें म.प्र. शासन की ओर से सम्मानित भी किया गया है। जिससे मध्यप्रदेश की लोकसंस्कृति, साहित्य एवं कला के सम्मान की प्रोत्साहन, संरक्षण और विस्तार मिला है।

दर्शनीय स्थल :– पंचमढ़ी, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, ग्वालियर, जबलपुर, ओरछा, रायसेन, सांची का स्तूप, भीमबैठका, इंदौर एवं भोपाल आदि एतिहासिक दर्शनीय

स्थल है तथा खजुराहों के मंदिर विश्व में अनूठे है जो इतिहास एवं संस्कृति में रूचि रखते है उन्हें आकर्षित करते है। इससे हमें म.प्र. के एतिहासिक एवं पुरातात्विक इतिहास का पता चलता है।

विकास स्थल :– आज मध्यप्रदेश की स्थिति पिछडेपन की है लेकिन वर्तमान शासनकाल में मध्यप्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। गांवों और शहरों में सड़क निर्माण, स्कूलों का निर्माण एवं नई योजनाओं का संचालन कर इस पिछड़ेपन को दूर करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

उपसंहार :– विकासशील मध्यप्रदेश के सपनों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारे मध्यप्रदेश का प्रत्येक नागरिक बुराईयों एवं संकटों को दूर करने का दृढ़ संकल्प करे तभी विकसित मध्यप्रदेश के सपने पूरे होंगे।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – –